अभ्यास पत्रक

पाठ – यह दंतुरहित मुस्कान और फसल

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है

भूरी – काली – संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

1. "फसल" किसका रूपांतरण है?
   (क) केवल मिट्टी का (ख) किसानों के श्रम का (ग) प्राकृतिक और मानवीय तत्वों का (घ) केवल पानी का
2. 'हवा की थिरकन' का क्या संकेत है?
   (क) वर्षा का आगमन (ख) मौसम की मस्ती (ग) प्रकाश संश्लेषण (घ) हलचल और ऊर्जा
3. कवि के अनुसार 'फसल' किन तत्वों का समावेश है?
   (क) धरती, आकाश और देवता (ख) नदियाँ, खेत, किसान
   (ग) शोर, उत्साह और पसीना (घ) जल, धूप और ताजगी
4. 'भूरी–काली–संदली मिट्टी' से तात्पर्य है –
   (क) अलग-अलग प्रकार की मिट्टियाँ (ख) प्रदूषित मिट्टी
   (ग) जली हुई मिट्टी (घ) पहाड़ी मिट्टी
5. 'स्पर्श की महिमा' किसका प्रतीक है?
   (क) वर्षा का (ख) धूप का (ग) किसान के श्रम का (घ) धरती की उर्वरता का

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान _____ में भी जान डाल देगी।
2. फसल लाखों _____ के श्रम का परिणाम है।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में कवि बच्चे की मुस्कान की तुलना किन प्रतीकों से करता है?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

2. कवि को अपने बच्चे की आँखों में कौन-से भाव दिखाई देते हैं?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

3. 'फसल' कविता में किन प्राकृतिक तत्वों को फसल के निर्माण में सहायक माना गया है?

उत्तर - .....
.....
.....

egyanarchive

4. 'यह अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क' – से कवि क्या कहना चाहता है?

प्रश्न 4: निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –(1×4 = 4 अंक)

(क) *छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल, बाँस था कि बबूल ?*
तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?, देखते ही रहोगे अनिमेष !

(ख) *एक के नहीं, दो के नहीं,*
लाख–लाख कोटि–कोटि हाथों के, स्पर्श की गरिमा;

उत्तर - .....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: नागार्जुन की कविताएँ 'यह दंतुरित मुस्कान' और 'फसल' में दो अलग भाव-भूमियाँ हैं — एक में निजी वात्सल्य भाव और दूसरी में सामूहिक जीवन और श्रम की महिमा। दोनों कविताओं की विशेषताओं की तुलना कीजिए।

उत्तर - .....

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ग) प्राकृतिक और मानवीय तत्वों का
2. (घ) हलचल और ऊर्जा
3. (ख) नदियाँ, खेत, किसान
4. (अ) अलग-अलग प्रकार की मिट्टियाँ
5. (ग) किसान के श्रम का

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. मृतक
2. किसानों

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. वह मुस्कान मृतक में जान डालने वाली, जलजात (कमल) और शेफालिका जैसे फूलों की तरह मृदुल और कोमल प्रतीत होती है।
2. अनिमेष, तिरछी दृष्टि, पहचानने का प्रयास और विस्मय; जिससे पिता–पुत्र संबंध की दूरी झलकती है।
3. नदियों का पानी, सूर्य की किरणें, मिट्टी के गुण, हवा की थिरकन आदि।
4. कवि स्वयं को अतिथि मानते हैं क्योंकि लंबे समय से घर से दूर रहने के कारण उनका बच्चे से संपर्क नहीं रहा।

प्रश्न 4 – व्याख्या संकेत:

(क)

कवि अपने कठोर मन के पिघलने की कल्पना करता है – बच्चे की मासूम मुस्कान इतनी प्रभावशाली है कि बांस या बबूल जैसे कठोर वृक्षों पर भी फूल झर जाएँ। यह भावों की मृदुता का संकेत है।

(ख)

यह पंक्तियाँ सामूहिक श्रम और मेहनत की गरिमा को दर्शाती हैं – लाखों हाथों का स्पर्श और श्रम ही है जो एक फसल को आकार देता है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- 'यह दंतुरित मुस्कान' में एक नन्हें बच्चे की निश्छल मुस्कान के माध्यम से मानवीय भावनाओं का कोमल चित्रण है।
- इसमें कवि का आत्मीय संबंध, घर वापसी और पिता-पुत्र का संवाद है।
- 'फसल' कविता सामाजिक धरातल पर श्रम, प्रकृति और मेहनतकश किसान की महत्ता को रेखांकित करती है।
- दोनों कविताएँ जीवन की सरलता, गहराई और संवेदनशीलता को दर्शाती हैं — एक भावनात्मक, दूसरी सामाजिक।

egyanarchive